
ज्वालामुखी योग - 19

अव्यक्त बापदादा :-

» _ » माया आवे लेकिन माया के वश नहीं होना है। माया का काम है आना और आपका काम है- 'माया को जीतना'। उनके प्रभाव में नहीं आना है। अपने प्रभाव से माया को भगाना है, न कि माया के प्रभाव में आना है।

» _ » तो समझा कौन-सी प्राइज़ लेनी है। एक भी विध्न में आया तो प्राइज़ नहीं क्योंकि साथी होना। सभी को एक दो को साथ देते हुए अपने घर चलना है ना। इसके लिए सदा सेवाकेन्द्र का वातावरण ऐसा शक्तिशाली हो जो वातावरण भी सर्व आत्माओं के लिए सदा सहयोगी बन जाए। शक्तिशाली वातावरण कमज़ोर को भी शक्तिशाली बनाने में सहयोगी होता है।

» _ » जैसे किला बांधा जाता है ना। किला क्यों बांधते हैं कि प्रजा भी किले के अन्दर सेफ रहे। एक राजा के लिए कोठरी नहीं बनाते, किला बनाते थे। आप सभी भी स्वयं के लिए, साथियों के लिए, अन्य आत्माओं के लिए ज्वाला का किला बांधो। याद के शक्ति की ज्वाला हो।

(14.01.1984)

➤➤ सेवाकेंद्र (तीर्थ स्थान / Mini Madhuban) का वातावरण शक्तिशाली कैसे बनाएं ?

➤➤ SOLD CAR AND ATM

» _ » Silence

→ निरन्तर बातें न चलें किसी न किसी टॉपिक पर

- वातावरण में मौन होना चाहिए

→ चुप रहकर सेवा करने से सेवा ज्यादा बेहतर होती है

- निर्णय शक्ति बड़ जाती है
- थकान कम हो जाती है

» _ » Openness

→ आत्माओं के जीवन में कुछ छिपा छिपा न हो

- जीवन में पारदर्शिता होना चाहिए
- जीवन एक खुली किताब हो
- Personal Life और Public Life एक हो
- बाबा को सब कुछ बताकर हृदय स्वच्छ होना चाहिए

» _ » Love Gathering (स्नेह मिलन)

→ इससे संगठन में Unity भी बढ़ेगी

» _ » Discipline (अनुशासन)

→ यह निमित्त की Responsibility है

→ अपना Discipline स्वयं को खुद set करना है

→ Proper Time Table Follow करना है

» _ » Cleanliness

→ हर स्थूल चीज़ Properly Organised हो

→ आध्यात्मिक व्यक्ति को हमेशा सफाई पसंद आती है

» _ » Allokikta (अलोकिकता)

→ आत्माओं को प्रवेश करते ही यह लगे की यह कोई साधारण जगह नहीं है

» _ » Relationships

→ मधुरता और Emotional Detachment होनी चाहिए

■ न्यारे और प्यारे हों

■ प्यार में फंसकर भी सेवा नहीं करनी है और कम प्यार से भी

सेवा नहीं करनी है

» _ » Atmosphere Of Love, Cooperation, Peace, Happiness, Positivity, Praise, Motivation

» _ » Absence Of

→ Gossips

→ Impurity

→ Money Mindedness

→ साधनों का Too Much Use

» _ » New Plans Of Sewa & Self Progress

» _ » Discussion (ज्ञान चर्चा)

→ बिना ज्ञान चर्चा के ज्ञान पूरी तरह से स्पष्ट नहीं होता है

» _ » Adjustment

→ आत्माओं को उनके सभी स्वभाव संस्कार के साथ Accept करना है

» _ » Tapasya (संगठित तपस्या)

» _ » Mindfulness / Awareness / Alertness (जागरण की स्थिति)

→ समय कौन सा चल रहा है ?
